

पाठ:- यह सबसे कठिन समय नहीं

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: जीवन में सम-विषम परिस्थितियों का ज्ञान पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न-परिशिष्ट संख्या-8अ/1 विषय वस्तु- यह सबसे कठिन समय नहीं उपविषय वस्तु :- अ) कवयित्री का परिचय आ) आशावादिता इ) सृजनात्मक लेखन पाठ्येतर विषय वस्तु *विचार संप्रेषण कला सीखना * डायरी लेखन	विद्यार्थी :- अ) कवयित्री के साहित्यिक योगदान से परिचित होंगे । आ) आशावाद के महत्व को समझ पाएंगे। इ) भावों को कलात्मक रूप से अभिव्यक्ति दे सकेंगे ।	विद्यार्थी :- अ) कवयित्री 'जया जादवानी' के साहित्यिक योगदान को जानकर उनकी अन्य रचनाओं की सूची बना सकेंगे । आ) आशावादिता के महत्व को जान कर अन्य आशावादी स्वर से परिपूर्ण कविताओं का संकलन कर कंठस्थ कर सकेंगे । इ) रचनाकारों के विचारों को जानकर स्वयं काव्य रचना कर सकेंगे । इ) साहित्य की दैनन्दिनी (डायरी) लेखन विधा से परिचित हो अपने जीवन की किसी एक घटना को डायरी रूप में कलमबद्ध कर अनुभव / विचार अभिव्यक्ति में सक्षम हो सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- अपने जीवन की किसी घटना को डायरी रूप में लिखने से संबंधित ।

कक्षा - आठ

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-8अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि : परिशिष्ट संख्या :-8अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित यति गति लय के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए कविता पाठ करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में कविता के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे। क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-8अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-8अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- परिशिष्ट संख्या :-8अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-8अ/2 उचित यति गति लय के साथ कविता के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । पाठ के अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-8अ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या :-8अ/4	* पाठ पढ़ने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि अन्तःविषय संबंध :- कर्तव्य बोध, परोपकार की भावना , पर्यावरण बोध , सामाजिक ज्ञान ।
विद्यालय भवन:- विद्यालय में यदि किसी भी विद्यार्थी को सहायता की आवश्यकता है तब स्वयं उसकी मदद करेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -8अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1- आपके जीवन में कभी कोई कठिन परिस्थिति आई है ?

जी हाँ

प्रश्न.2- आपने उन परिस्थितियों का सामना कैसे किया ?

विद्यार्थीनुसार विभिन्न उत्तर

प्रश्न.3- कठिन परिस्थितियों में कौन सी बात हमारा धीरज बंधाती है ?

दुःख के बाद सुख आता है /

यह सबसे कठिन समय नहीं ।

कथन:- आइये इस कविता को पढ़ कर जानते हैं कि कैसे हमें विषम परिस्थितियों में भी आशावादी दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -8अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती हैं ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -8अ/3

- अध्यापिका विद्यार्थियों को दैनन्दिनी (डायरी) लेखन विधा से परिचित कराएंगी ।
- अपने जीवन में आए उन ऐसे पलों को डायरी के रूप में लिखने को अध्यापिका कहेंगी जब वे बहुत हताश हो गए हों और उनके किसी परिवारजन, मित्र अथवा शुभचिंतक ने आकर उन में पुनः आशा की किरण का संचार किया हो ।
- दैनन्दिनी (डायरी) लेखन क्रियाविधि के निर्देश :-
 - 1.भाषा सरल एवं प्रभावशाली होनी चाहिए ।
 - 2.डायरी का एक पृष्ठ 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।
 - 3.अंत में सभी पृष्ठों को एकत्रित कर डायरी के रूप में संकलन करें ।
 - 4.डायरी को एक आकर्षक से शीर्षक से सुसज्जित करें ।
- मूल्यांकन हेतु डायरी अध्यापिका को देंगे ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

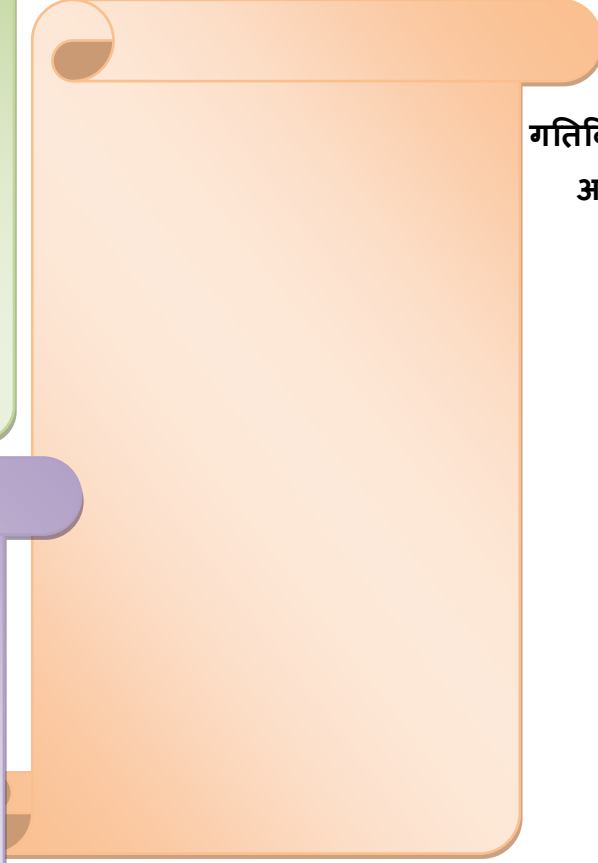
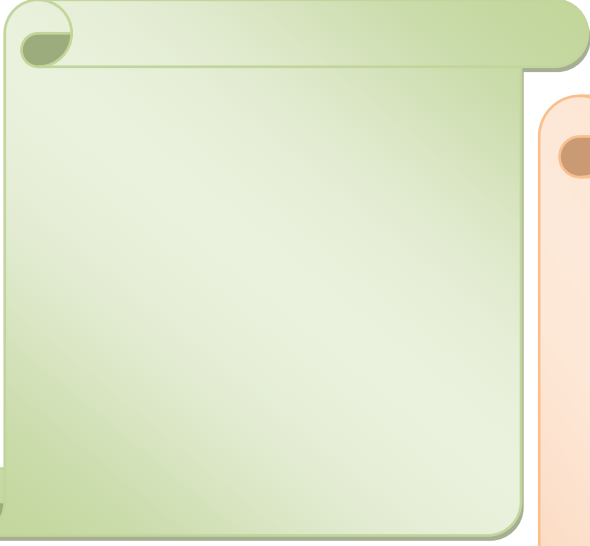
4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -8अ/4

कार्यपत्र

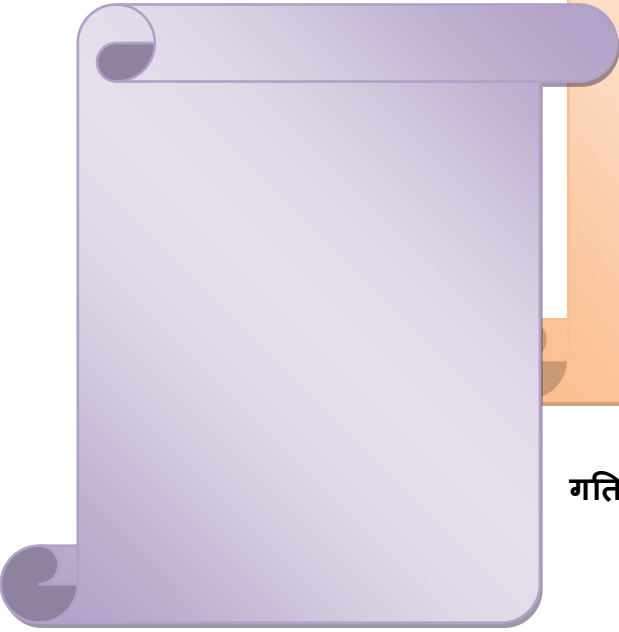
पाठ : यह सबसे कठिन समय नहीं
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : डायरी लेखन
अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व साहित्यिक विधा डायरी लेखन का ज्ञान :



गतिविधि करते हुए
अनुभव :



गतिविधि से सीखा :

डायरी लेखन के पश्चात
भावों में अंतर

